रेसुब संकल्प गीत.....

बल गीत

रेल सुरक्षा बल ।
ये वीरों का है दल ।।
अब हैं सुरक्षित रेलें ।
चल मुसाफिर चल ।।

यात्री सुरक्षा कर्म हमारा ।
रेल सुरक्षा धर्म हमारा ।।

हर पल हे आसान सफर ।
मंजिल दूर नही है ।।
हम हैं आपके हमसफर ।
मुश्किल कुछ नही है ।।

दिन की धूप में हम ।
साया बन के चलेंगे ।।
तुमको देकर नींदें।
हम रातों को जागेंगे ।।

रेल अमानत देश की ।
लुटने इसे ना देंगे ।।
आतंकवाद के शोलों से ।
जलने कभी ना देंगें ।।

तुमको यकीन दिलाते हैं ।
हम यह वचन निभायेंगे ।।
मानव जन की रक्षा में ।
हम खुद को मिटायेंगे ।।

रेल सुरक्षा बल ।
ये वीरों का है दल ।।
अब हैं सुरक्षित रेलें ।
चल मुसाफिर चल ।।

रेल चली सबको लेके ।
वो ना देखे जात पात ।।
रेल की सेना, रेल के सेवक ।
हम थामे हैं सबका हाथ ।।

जन-जन के हैं हम रखवाले ।
गर्व से हम यह बोले ।।
एक हैं सारे भारत वासी ।
धर्मों में क्यों तोलें ।।

नयी-नयी तकनीकों से ।
बल को हम सजायेंगे ।।
सारी दुनिया में हम इसके ।
नाम को पहुचाँयेगें ।।

शान सदा बढती ाये ।
दामन दाग ना पाये ।।
यात्री सुरक्षा की खातिर ।
जान भले ही जाऐ ।।

रेल सुरक्षा बल ।
ये वीरों का है दल ।।
अब हैं सुरक्षित रेलें ।
चल मुसाफिर चल ।।

"बल संदेश"

ओ.पी. शर्मा
सहा. सुरक्षा आयुक्त (सेवानिवृत्त)

"कर्म हमारा, धर्म हमारा, बल का ऊँचा नाम।
रेल सम्पत्ति, यात्री सुरक्षा, यही हमारा काम।।
बाधा रेल में जो भी आयें, उसको हमें हटाना है।
अपराधी को मार भगाना, प्रमुख कर्म हमारा है।।
रेले समय पर आयें, जायें, इस पर ध्यान लगाना है।
रेल का पहिया रूक न सकें कहीं, ऐसा कर्म दिखाना है।।
हयूमन राईट पालन करना, प्यार व्यवहार सभी से करना।
गलत काम पर कभी न झुकना, ऐसे कर्म हमेशा करना।।
यह कर्त्तव्य हमारा है, यह कर्तव्य तुम्हारा है।
बल का नाम विश्व में होगा, यह संदेश हमारा है।।

बल का नाम विश्व में होगा।
ध्वज हमारा ऊँचा होगा।
जय भारत, जय रेल का नारा,
घर-घर में पहुँचाना होगा।
रेल भाईयों से हिल मिलकर,
रेलविकास, सर्वोच्च शिखा पर।
हम सबको ले जाना होगा।।
बल की शान न जाने पाये,
ऐसा प्रण निभाना होगा।

बल के वीरो, रेल के हीरो।
बनकर हमें दिखाना होगा।।
जग में हो जयकार रेल की,
ऐसा कर्म बनाना होगा।
सच्चाई के बढ़ते पथ पर,
कदम से कदम मिलाना होगा।
बल का नाम जगत में चमके,
ऐसा प्रण निभाना होगा।